जनसत्ता पेज 4
10. 2. 14

देश भर के व्यापारी 27 और 28 को दिल्ली में जुटेंगे

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली, 9 फरवरी। लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए देश भर के व्यापारियों के संगठन कान्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने व्यापारियों के मुद्दे देश के राजनीतिक दलों के सामने बेहद मजबूती से रखने के लिए बहुत ही योजनाबद्ध तरीके से ऐसा समय चुना है जब राजनीतिक दल भी आगामी चुनावों को लेकर बेहद दबाव में है। कैट ने 27 व 28 फरवरी को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय व्यापारी महाधिवेशन आयोजित किया है जिसमें देश के सभी राज्यों से हजारों की संख्या में व्यापारी नेता भाग लेंगे। इस महाधिवेशन में कैट ने सभी राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय राजनीतिक दलों को न्योता भेजा है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि व्यापारियों का यह महाधिवेशन लोकसभा चुनावों के मद्देनजर बेहद महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इस महाधिवेशन में व्यापारी आगामी चुनावों में अपनी भूमिका का निर्णय करेंगे। उन्होंने बताया की पिछले 65 साल में व्यापारियों के साथ जिस प्रकार का भेदभाव राजनीतिक दलों और केंद्र व राज्य सरकारों ने किया है उससे व्यापारी बेहद आहत हैं और अब दो टूक शब्दों में राजनीतिक नेताओं से बात करेंगे। जो भी राजनीतिक दल व्यापारियों के मुद्दे पर स्पष्ट समर्थन देगा आगामी चुनावों में व्यापारी ऐसे दलों को ही समर्थन देने के बारे में विचार करेगा।

देश भर में असंगठित क्षेत्र में 6 करोड़ से अधिक व्यापारी हैं जो लगभग 25 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं और सालाना लगभग 20 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यापार करते हैं लेकिन किसी भी फोरम पर अर्थव्यवस्था के इतने बड़े वर्ग की कोई सुनवाई नहीं है जिससे व्यापारी क्षुब्ध है और आर-पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। या तो हमारी बात सुनो या फिर हमारे वोटों को भूल जाओ। महाधिवेशन का यही मूल मंत्र है।